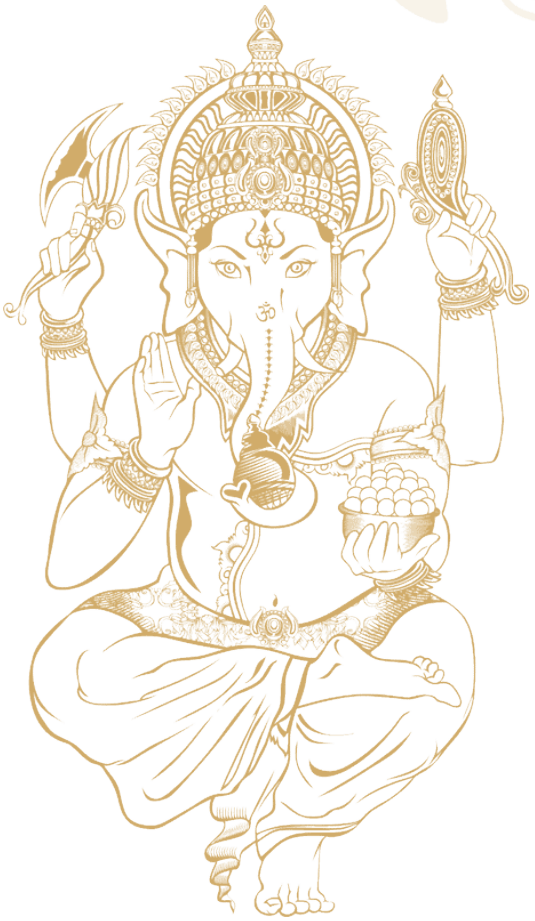

Raman

17 Jun 1996

12:55 AM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121478308

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/06/1996**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:55:00 घंटे**
इष्ट	48:51:37 घटी
स्थान	**Panipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:24:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:32:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:41 घंटे
साम्पातिक काल	18:14:13 घंटे
सूर्योदय	05:22:21 घंटे
सूर्यास्त	19:23:23 घंटे
दिनमान	14:01:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:05:41 मिथुन
लग्न के अंश	11:18:53 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	11:18:53	519:18:12	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	02:05:41	00:57:18	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	सम राशि
चंद्र			मिथु	10:21:14	12:02:11	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृष	09:11:13	00:42:43	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध			वृष	09:45:43	01:18:36	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	21:08:16	00:06:51	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र	व		वृष	22:32:59	00:33:11	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			मीन	12:44:10	00:03:08	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	20:33:05	00:12:51	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	20:33:05	00:12:51	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:11:10	00:01:43	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:21:56	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:15:54	00:01:27	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			धनु	09:27:12	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:31

लग्न-चलित

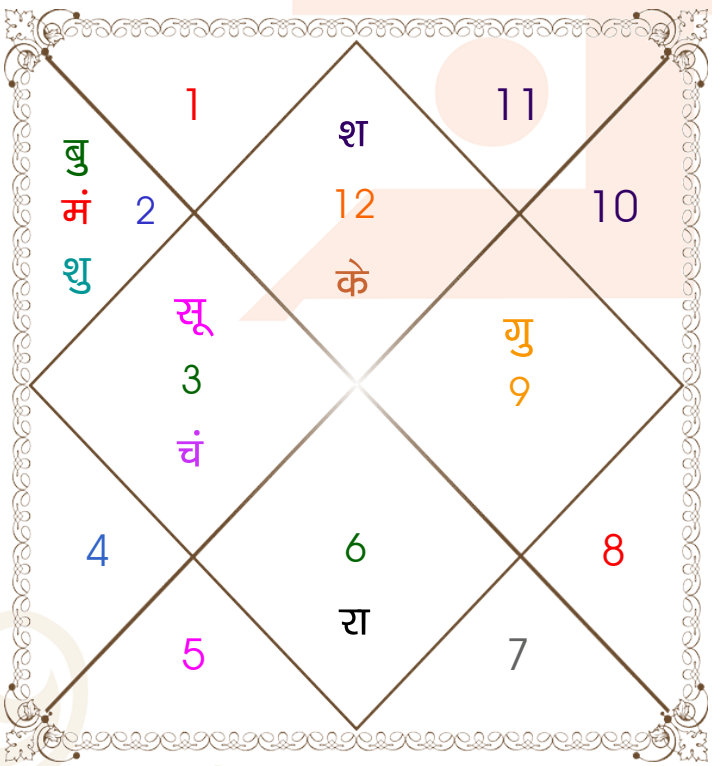

चन्द्र कुंडली

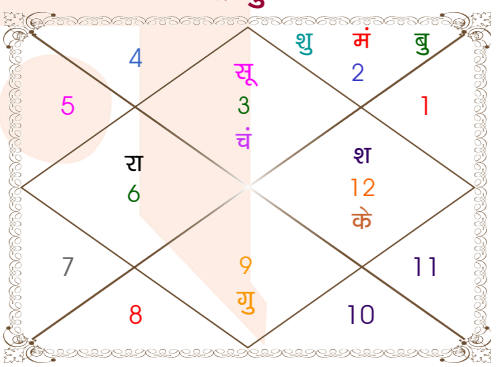

नवमांश कुंडली

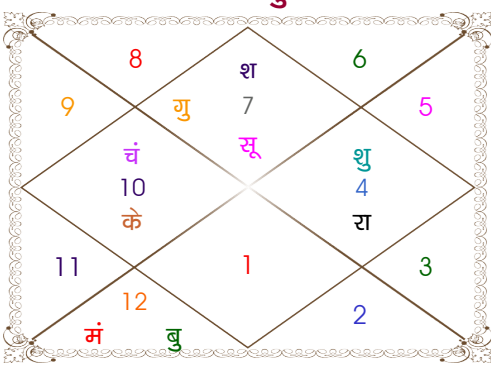

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 0 मास 8 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/06/1996		25/06/2009		25/06/2025		25/06/2044		25/06/2061	
25/06/2009		25/06/2025		25/06/2044		25/06/2061		25/06/2068	
	17/06/1996	गुरु	13/08/2011	शनि	28/06/2028	बुध	21/11/2046	केतु	21/11/2061
गुरु	31/07/1996	शनि	23/02/2014	बुध	08/03/2031	केतु	19/11/2047	शुक्र	21/01/2063
शनि	07/06/1999	बुध	31/05/2016	केतु	16/04/2032	शुक्र	18/09/2050	सूर्य	29/05/2063
बुध	25/12/2001	केतु	07/05/2017	शुक्र	16/06/2035	सूर्य	26/07/2051	चंद्र	28/12/2063
केतु	12/01/2003	शुक्र	06/01/2020	सूर्य	28/05/2036	चंद्र	24/12/2052	मंगल	25/05/2064
शुक्र	12/01/2006	सूर्य	24/10/2020	चंद्र	28/12/2037	मंगल	22/12/2053	राहु	13/06/2065
सूर्य	07/12/2006	चंद्र	23/02/2022	मंगल	05/02/2039	राहु	10/07/2056	गुरु	20/05/2066
चंद्र	06/06/2008	मंगल	30/01/2023	राहु	12/12/2041	गुरु	16/10/2058	शनि	29/06/2067
मंगल	25/06/2009	राहु	25/06/2025	गुरु	25/06/2044	शनि	25/06/2061	बुध	25/06/2068

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/06/2068		25/06/2088		25/06/2094		26/06/2104		26/06/2111	
25/06/2088		25/06/2094		26/06/2104		26/06/2111		00/00/0000	
शुक्र	25/10/2071	सूर्य	12/10/2088	चंद्र	26/04/2095	मंगल	22/11/2104	राहु	09/03/2114
सूर्य	24/10/2072	चंद्र	13/04/2089	मंगल	25/11/2095	राहु	10/12/2105	गुरु	18/06/2116
चंद्र	25/06/2074	मंगल	19/08/2089	राहु	26/05/2097	गुरु	16/11/2106		00/00/0000
मंगल	25/08/2075	राहु	13/07/2090	गुरु	25/09/2098	शनि	26/12/2107		00/00/0000
राहु	25/08/2078	गुरु	02/05/2091	शनि	26/04/2100	बुध	22/12/2108		00/00/0000
गुरु	25/04/2081	शनि	13/04/2092	बुध	25/09/2101	केतु	20/05/2109		00/00/0000
शनि	25/06/2084	बुध	17/02/2093	केतु	26/04/2102	शुक्र	21/07/2110		00/00/0000
बुध	26/04/2087	केतु	25/06/2093	शुक्र	26/12/2103	सूर्य	25/11/2110		00/00/0000
केतु	25/06/2088	शुक्र	25/06/2094	सूर्य	26/06/2104	चंद्र	26/06/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 0 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।